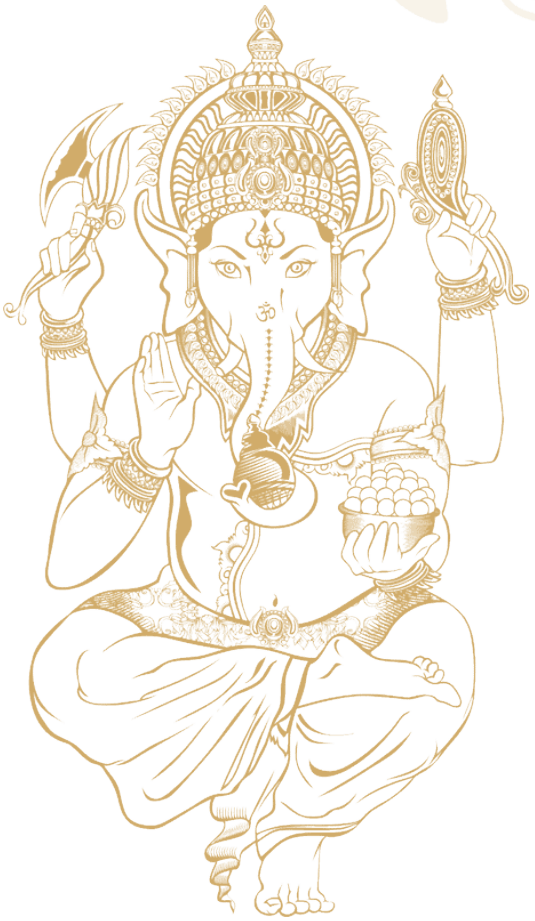

Yesraj jain

04 Dec 1975

10:10 AM

Nagaur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120936405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/12/1975**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:10:15 घंटे**
इष्ट	07:32:21 घटी
स्थान	**Nagaur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:12:00 उत्तर
रेखांश	73:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:35:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:35:11 घंटे
वेलान्तर	00:10:02 घंटे
साम्पातिक काल	14:24:41 घंटे
सूर्योदय	07:09:18 घंटे
सूर्यास्त	17:40:43 घंटे
दिनमान	10:31:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:52:32 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:08:33 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शूल
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	29:08:33	376:20:05	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			वृश्चि	17:52:32	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	02:52:25	13:46:02	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		मिथु	03:47:56	00:21:26	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	20:49:30	01:34:03	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मीन	21:17:33	00:01:20	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			तुला	03:14:43	01:08:21	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		कर्क	09:06:14	00:02:08	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	28:13:24	00:02:33	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	28:13:24	00:02:33	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			तुला	11:35:24	00:03:13	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
नेप			वृश्चि	17:59:04	00:02:16	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो			कन्या	17:41:40	00:01:23	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			तुला	15:02:07	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:27

लग्न-चलित

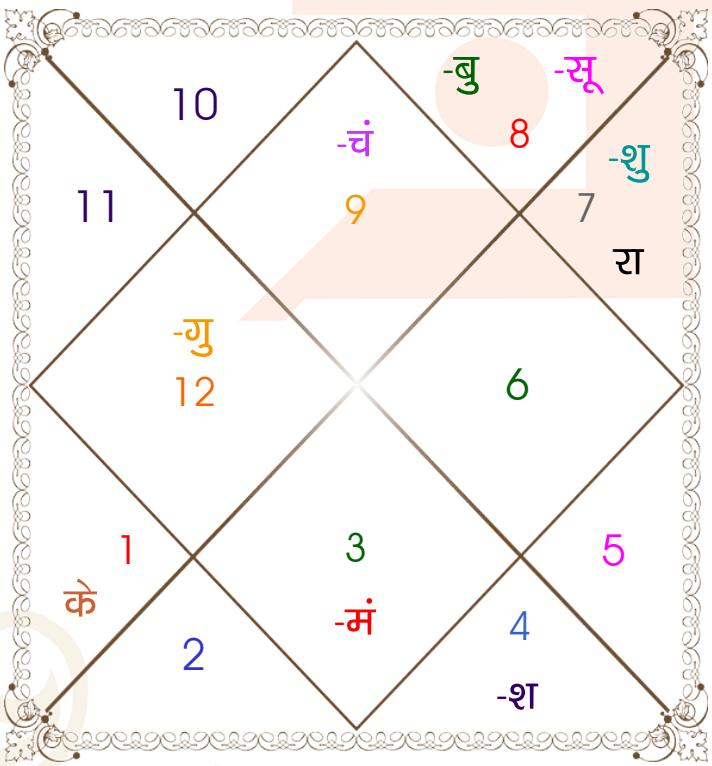

चन्द्र कुंडली

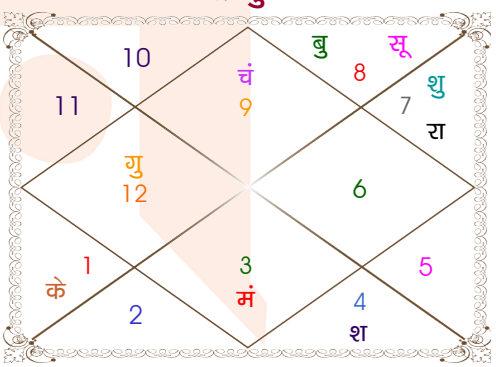

नवमांश कुंडली

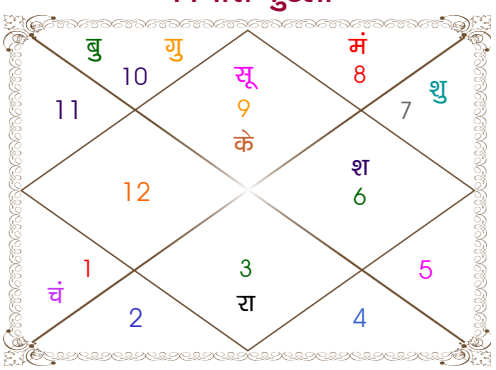

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 5 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/12/1975		01/06/1981		01/06/2001		01/06/2007		01/06/2017	
01/06/1981		01/06/2001		01/06/2007		01/06/2017		31/05/2024	
	04/12/1975	शुक्र	30/09/1984	सूर्य	18/09/2001	चंद्र	01/04/2008	मंगल	28/10/2017
शुक्र	28/12/1975	सूर्य	30/09/1985	चंद्र	20/03/2002	मंगल	31/10/2008	राहु	15/11/2018
सूर्य	04/05/1976	चंद्र	01/06/1987	मंगल	26/07/2002	राहु	01/05/2010	गुरु	22/10/2019
चंद्र	03/12/1976	मंगल	31/07/1988	राहु	19/06/2003	गुरु	31/08/2011	शनि	30/11/2020
मंगल	01/05/1977	राहु	01/08/1991	गुरु	07/04/2004	शनि	01/04/2013	बुध	27/11/2021
राहु	20/05/1978	गुरु	01/04/1994	शनि	20/03/2005	बुध	31/08/2014	केतु	25/04/2022
गुरु	26/04/1979	शनि	01/06/1997	बुध	24/01/2006	केतु	01/04/2015	शुक्र	25/06/2023
शनि	03/06/1980	बुध	01/04/2000	केतु	01/06/2006	शुक्र	30/11/2016	सूर्य	31/10/2023
बुध	01/06/1981	केतु	01/06/2001	शुक्र	01/06/2007	सूर्य	01/06/2017	चंद्र	31/05/2024

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
31/05/2024		01/06/2042		01/06/2058		01/06/2077		01/06/2094	
01/06/2042		01/06/2058		01/06/2077		01/06/2094		00/00/0000	
राहु	12/02/2027	गुरु	19/07/2044	शनि	04/06/2061	बुध	28/10/2079	केतु	28/10/2094
गुरु	07/07/2029	शनि	30/01/2047	बुध	12/02/2064	केतु	24/10/2080	शुक्र	04/12/2095
शनि	13/05/2032	बुध	07/05/2049	केतु	23/03/2065	शुक्र	25/08/2083		00/00/0000
बुध	01/12/2034	केतु	13/04/2050	शुक्र	22/05/2068	सूर्य	01/07/2084		00/00/0000
केतु	19/12/2035	शुक्र	12/12/2052	सूर्य	04/05/2069	चंद्र	30/11/2085		00/00/0000
शुक्र	19/12/2038	सूर्य	30/09/2053	चंद्र	04/12/2070	मंगल	27/11/2086		00/00/0000
सूर्य	12/11/2039	चंद्र	30/01/2055	मंगल	12/01/2072	राहु	16/06/2089		00/00/0000
चंद्र	13/05/2041	मंगल	06/01/2056	राहु	18/11/2074	गुरु	22/09/2091		00/00/0000
मंगल	01/06/2042	राहु	01/06/2058	गुरु	01/06/2077	शनि	01/06/2094		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 6 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।